भारत - स्वीडन संबंध

भारत और स्वीडन के बीच संबंध वर्ष 1949 में स्थापित हुए थे और ये साझा लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद पर टिके हैं। दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय संपर्क 1957 से शुरू हुए जब प्रधान मंत्री जवाहर लाल नेहरू ने स्वीडन का दौरा किया था। अभी हाल ही की उच्च स्तरीय यात्रा भारत के राष्ट्रपति द्वारा अब तक की पहली राजकीय यात्रा थी जिससे संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। स्वीडन की ओर से राष्ट्राध्यक्ष / शासनाध्यक्ष के स्तर पर सबसे हाल की यात्रा नवंबर 2009 में पूर्व प्रधान मंत्री फ्रेडरिक रीनफेल्ट द्वारा भारत-यूरोपियन यूनियन शिखर वार्ता और द्विपक्षीय वार्ताओं के लिए की गई भारत यात्रा थी। इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में मंत्री स्तर पर अनेक द्विपक्षीय यात्राएं हुई हैं जिनसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा मिला है। दोनों प्रजातंत्रों के बीच संबंधों में और अधिक सार-तत्व जोड़ते हुए संसदीय संपर्कों ने गति पकड़ ली है।

परस्पर आर्थिक हित इस संबंध के चालक के रूप में उभरे हैं। 2009-10 में द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 2 बिलियन अमरीकी डालर के आंकड़े को पार गया। इस समय 2014-15 में यह 2.5 बिलियन अमरीकी डालर के आसपास है। मई - जून 2015 में भारत के राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान दोनों पक्ष वर्ष 2017 तक द्विपक्षीय व्यापार में 5 बिलियन अमरीकी डालर के लक्ष्य के लिए काम करने पर सहमत हुए। स्वीडन की अधिकांश प्रमुख ने कई दशक पहले भारत में कदम रखा है परंतु हाल के वर्षों में उनके निवेश में वृद्धि हुई है तथा भारतीय कंपनियों ने भी स्वीडन में निवेश करना शुरू कर दिया है। हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट अवसंरचना, स्वास्थ्य देखरेख तथा रक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की प्रचुर गुंजाइश है।

राजनीतिक संबंध

भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने 31 से 02 जून 2015 तक स्वीडन की राजकीय यात्रा की थी। उनके शिष्टमंडल में अन्यों के अलावा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीरवार तथा अन्य वरिष्ठ संसद सदस्य शामिल थे। उनके साथ उच्च स्तरीय शैक्षिक एवं कारोबारी शिष्टमंडल भी गए थे, जिसमें अग्रणी भारतीय विश्वविद्यालयों के अनेक वाइस चांसलर तथा निदेशक और लगभग 35 भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे। शाही परिवार से बातचीत करने के अलावा राष्ट्रपति जी ने स्वीडन के स्पीकर तथा प्रधानमंत्री से भी मुलाकात की। इस यात्रा के दौरान संपोषणीय विकास सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में छ: अंतर सरकारी करारों / एम ओ यू तथा शैक्षिक संस्थानों के बीच 15 करारों पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति जी ने स्वीडन की प्रमुख कंपनियों के सी ई ओ के साथ बंद दरवाजे में एक गोलमेज बैठक की तथा ''भारत - स्वीडन साझेदारी : उज्ज्वल भविष्य का सृजन करना'' पर एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने ''टैगोर और गांधी : वैश्विक शांति के लिए समकालीन प्रासंगिकता'' पर उप्पसला विश्वविद्यालय में एक सार्वजनिक अभिभाषण भी दिया।

अनेक अन्य महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय संपर्कों से 2015 में द्विपक्षीय संबंध सुदृढ़ हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और स्वीडन के प्रधानमंत्री श्री स्टीफन लोवफेन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अतिरिक्त समय में 25 सितंबर 2015 को न्यूयार्क में मुलाकात की। विदेश राज्य मंत्री जनरल (डा.) वी के सिंह ने असेम विदेश मंत्री बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में नवंबर में लग्जमबर्ग में स्वीडन की विदेश मंत्री सुश्री मरगॉट वालस्ट्रॉम से मुलाकात की।

स्वीडन की ओर से महामहिम तथा महारानी सिल्विया ने 1993 में भारत का राजकीय दौरा किया। इसके बाद स्वीडन के नरेश के नेतृत्व में एक प्रौद्योगिकी मिशन ने नवंबर 2015 में भारत का दौरा किया। प्रधानमंत्री श्री गोरॉन पेरसन ने जनवरी 2004 में और प्रधानमंत्री फ्रेडरिक रीनफेल्ट ने नवंबर 2009 में भारत का दौरा किया।

हाल के वर्षों में मंत्री स्तर पर सक्रिय आदान – प्रदान हुआ है। स्वीडन की ओर से 2015 में अवसंरचना मंत्री अन्ना जोहानसन ने मार्च में भारत का दौरा किया और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य सचिव श्री हंस दहलग्रेन ने अप्रैल में भारत का दौरा किया तथा स्वीडन के रक्षा मंत्री श्री पीटर हुलक्विस्ट ने जून में भारत का दौरा किया। प्रधानमंत्री कार्यालय में स्टेट सेक्रेटरी श्री हंस डाल्ग्रेन ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ पुनरूज्जीवित सामरिक की पहली बैठक वार्ता के लिए अक्टूबर 2015 में भारत का पुन: दौरा किया। गृह मंत्री तथा श्री डाल्ग्रेन के नेतृत्व वाले शिष्टमंडल की सदस्य सुश्री ऐन लिंडे ने 6 अक्टूबर को गृह राज्य मंत्री श्री

किरन रिजजु से मुलाकात की। स्वीडन से मंत्री स्तर पर सबसे हाल की यात्रा आवास, शहरी विकास एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री मेहमेट कपलान की थी जिन्होंने 13 से 18 अक्टूबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। उन्होंने भारत के आवास, शहरी विकास एवं गरीबी उन्मूलन मंत्री के अलावा संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी से भी मुलाकात की। दोनों मंत्री सार्वजनिक परिवहन, नगरपालिका अपशिष्ट प्रबंधन एवं डिजिटीकरण जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के लिए सहमत हुए। वे भारत में संपोषीय शहरी विकास को प्रोत्साहित करने के लिए विशिष्ट परियोजनाओं को चिन्हित करने के लिए भी सहमत हुए। आवास, शहरी विकास एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री कपलान मुंबई भी गए जहां स्मार्ट शहर पर महाराष्ट्र एवं स्वीडन के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए जिसके माध्यम से स्वीडन शहरों को सिंबियो सिटी में परिवर्तित करने के लिए आधारभूत सुविधाएं प्रदान करेगा जहां आर्थिक, पारिस्थितिकी, सामाजिक एवं संपोषणीय विकास होगा। वर्ष 2014 में, स्वीडन के स्वास्थ्य देखरेख, सार्वजनिक स्वास्थ्य और खेल मंत्री श्री गैब्रियल विक्स्ट्रॉम ने नवंबर में भारत का दौरा किया था। 2013 में विदेश व्यापार के लिए स्टेट सेक्रेटरी (उप मंत्री के समकक्ष) मिस्टर गुन्नार ऊम और उद्यम एवं ऊर्जा के लिए स्टेट सेक्रेटरी मिस्टर डेनियल जॉनसन ने क्रमश: फरवरी और अप्रैल में भारत के दौरे किए थे। स्वीडन के उप प्रधान मंत्री और शिक्षा मंत्री मिस्टर जान जोर्कलुंड ने प्रधान मंत्री कार्यालय के स्टेट सेक्रेटरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ मई में भारत का दौरा किया था। वित्तीय बाजार मंत्री मिस्टर पीटर नॉर्मन ने अक्टूबर में भारत का दौरा किया। विदेश मंत्री मिस्टर कार्ल बिल्ड्ट ने एएसईएम की बैठक में भाग लेने के लिए नवंबर में भारत का दौरा किया।

भारत की ओर से 2015 में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री मेनका संजय गांधी ने मई में स्टाकहोम का दौरा किया। अपने समकक्ष से मुलाकात करने के अलावा उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक महोत्सव 'नमस्ते स्टाकहोम' का उद्घाटन किया तथा जेंडर एवं ट्रैवल से संबंधित सम्मेलनों में भाग लिया। राज्यों से अनेक महत्वपूर्ण यात्राएं हुई हैं जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं : (i) महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री श्री देवेंद्र फणनवीस के नेतृत्व में अप्रैल 2015 में एक शिष्टमंडल ने दौरा किया, (ii) दिल्ली के स्वास्थ्य, गृह, पी डब्ल्यू डी एवं उद्योग मंत्री श्री सत्येंद्र जैन के नेतृत्व में अक्टूबर 2015 में एक शिष्टमंडल ने दौरा किया, और (iii) तेलंगाना के मुख्य सचिव डा. राजीव शर्मा के नेतृत्व में भी अक्टूबर 2015 में एक शिष्टमंडल ने दौरा किया। 2014 में अपर सचिव सुश्री के रत्नाप्रभा के नेतृत्व में कर्नाटक के एक शिष्टमंडल ने स्वीडन का दौरा किया। भारत की ओर से, 2013 में कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री श्री सचिन पायलट और ऊर्जा राज्य मंत्री श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया ने क्रमश: अप्रैल और मई में, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद ने मई में और विदेश राज्य मंत्री श्रीमती परणीत कौर ने जून में स्वीडन का दौरा किया।

सबसे पहला भारत मैत्री समूह फरवरी 2006 में स्वीडन की संसद में स्थापित किया गया था। इस समूह के एक छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सितंबर 2013 में दौरा किया था। मैत्री समूह का 2015 में पुनर्गठन किया गया है।

अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के लिए अनेक द्विपक्षीय संस्थागत संवाद कार्यतंत्र और करार मौजूद हैं। इनमें दोहरे कराधान से बचने का करार और द्विपक्षीय संरक्षण करार (बीपा) शामिल हैं जो घनिष्ठ आर्थिक सहयोग को आवश्यक संरक्षण प्रदान करता है। अन्य महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन फरवरी 2009 में हस्ताक्षरित स्वास्थ्य देखभाल एवं जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन है, जो दोनों पक्षों की संबंधित एजेंसियों के बीच परस्पर हित के सहयोग को बढाता है। रक्षा, पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वासथ्य और नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी समझौता ज्ञापन उपलब्ध हैं। इन क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा करने और मजबूत करने के लिए नियमित बैठकें भी होती हैं। 26 नवंबर 2012 को एक द्विपक्षीय सामाजिक सुरक्षा करार पर हस्ताक्षर किया गया। राष्ट्रपति के स्तर पर यात्रा के दौरान छ: नए अंतर सरकारी करारों / एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए जो संपोषणीय शहरी विकास; सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों; राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से छूट; ध्रुवीय तथा महासागरीय अंनुसंधान; बढ़ती उम्र तथा स्वास्थ्य; और फर्मास्युटिकल उत्पादों से संबंधित हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रियों के स्तर पर गठित संयुक्त आर्थिक आयोग (जेईसी) भारत और स्वीडन के बीच अंतर-सरकारी संवाद का अग्रणी संस्थागत कार्यतंत्र है। संयुक्त आर्थिक आयोग (जेईसी) की पिछली (17वीं) बैठक 30 जनवरी 2015 को स्टाकहोम में हुई, जिसकी अध्यक्षता भारत की ओर से श्री अमिताभ कांत, सचिव,

औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और स्वीडन की ओर से उद्यम मंत्रालय में राज्य सचिव श्री आस्कर स्टेनस्टार्म द्वारा की गई।

दोनों विदेश मंत्रियों के बीच विदेश कार्यालय परामर्शों के माध्यम से नियमित परामर्श का एक कार्यतंत्र मौजूद है। पांचवां चरण 26 अप्रैल 2013 को स्टॉकहोम में आयोजित हुआ था जिसकी अध्यक्षता विदेश मंत्री मिस्टर फ्रैंक बेलफ्रेज और श्री सुधीर व्यास, सचिव (पश्चिम) द्वारा की गई थी।

सामरिक एवं रक्षा सहयोग

2009 में रक्षा सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए तथा नियमित रूप बैठकों की व्यवस्था के साथ संयुक्त कार्य समूह का गठन किया गया। 5वीं बैठक 29 और 30 सितंबर, 2015 को नई दिल्ली में हुआ। जून 2015 में नई दिल्ली में अपनी बैठक में स्वीडन के रक्षा मंत्री और भारत के रक्षा मंत्री ने नोट किया कि द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और बढ़ाने की गुंजाइश है। स्वीडन के रक्षा मंत्री ने रक्षा उपकरण सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए मेक इन इंडिया पहल के तहत काम करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। राष्ट्रपति की स्वीडन यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सामरिक वार्ता बहाल हुई तथा भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ सामरिक वार्ता के पहले चक्र के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में स्टेट सेक्रेटरी श्री हंस डाल्ग्रेन ने अक्टूबर 2015 में भारत का दौरा किया।

आर्थिक एवं वाणिजयिक संबंध

2011-12 तक द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि हुई। इसके बाद इसमें थोड़ी गिरावट आई परंतु अब पुन: बढ़ना शुरू हो गया है तथा 2014-15 में 2.5 बिलियन अमरीकी डॉलर के आसपास है। भारत स्वीडन का 19वां सबसे बड़ा निर्यात बाजार तथा एशिया में चीन और जापान के बाद तीसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है। स्वीडन से भारत को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में फार्मास्यूटिकल्स, कागज एवं लुग्दी उत्पाद, रयायन, इंजीनियरिंग उत्पाद तथा दूरसंचार के उपकरण शामिल हैं। भारतीय निर्यातों की मुख्य वस्तुएं रासायनिक उत्पाद, खाद्य उत्पाद, और अर्ध-निर्मित एवं निर्मित सामान हैं। हाल ही के व्यापारिक आंकड़े नीचे तालिका में दिए गए हैं:

वर्ष	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16 (अप्रैल - सितंबर)**
भारत की ओर से स्वीडन को निर्यात	**476.7**	**615.7**	**825.00**	**686.1**	**733.4**	**740.5**	**342.83**
स्वीडन से भारत का आयात	**1590.1**	**1619.4**	**1992.00**	**1681.4**	**1679.5**	**1748.0**	**799.47**
कुल	**2066.8**	**2235.1**	**2817.00**	**2367.5**	**2412.9**	**2488.5**	**1142.30**

स्रोत : वाणिज्य विभाग, भारत सरकार आंकड़े यूएस मिलियन डॉलर में और वर्ष का आशय वित्त वर्ष, अर्थात् अप्रैल-मार्च से है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र के अनुसार, वर्ष 2013 में स्वीडन को भारतीय सेवाओं का निर्यात 778 मिलियन अमरीकी डॉलर और भारत को स्वीडन की सेवाओं का निर्यात 611 मिलियन अमरीकी डॉलर था।

अनेक भारतीय आई टी कंपनियों ने स्वीडन में प्रतिनिधि कार्यालय खोले हैं। भारतीय औषधि एवं जैव-प्रौद्योगिकी कंपनियां भी मौजूद हैं। आदित्य बिरला ग्रुप, विप्रो और भारत फोर्ज स्वीडन में अन्य बड़े भारतीय निवेशक हैं। मोटे तौर पर लगाए गए अनुमानों के अनुसार, स्वीडन में संचयी भारतीय निवेश 700 से 800 मिलियन यूएस डॉलर के बीच है।

स्वीडन की अनेक कंपनियां जैसे कि एरिक्शन, स्वीडिश मैच (डब्ल्यू आई एम सी ओ), एस के एफ और ए एस ई ए (बाद में ए बी बी बन गया) भारत के आजाद होने से पहले ही भारत आ गई थीं और तब से स्वीडन की अनेक अन्य कंपनियों जैसे कि एटलस कॉपको, सैंडविक, अल्फा लवाल, वोल्वो, अस्त्रा जेनेका, एस ए ए बी आदि ने भारत में निवेश किया है। हाल ही में भारत आने वाली स्वीडन की अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों में परिवहन समाधान प्रदान करने वाली स्कैनिया, स्वच्छता एवं वन उत्पादों की कंपनी एस सी ए तथा रिटेल जाइंट आई के ईए एवं एच एंड एम शामिल हैं। वर्तमान में स्वीडन के 170 से अधिक संयुक्त उपक्रम हैं जो भारत में पूर्ण

स्वामित्व वाली सहयोगी कंपनियां हैं और स्वीडिश सांख्यिकी के अनुसार, निवेश का आकार लगभग 1 बिलियन डॉलर (2014) है।

सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संबंध:

भारतीय संगीत, नृत्य, कला, साहित्य, फिल्म और भोजन स्वीडन में व्यापक रूप से लोकप्रिय हैं। दोनों देशों के बीच एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान करार के अभाव में, सांस्कृतिक संबंधों को मुख्यत: स्थानीय संघों द्वारा और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के सहयोग से दूतावास द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है।

स्वीडन के प्रमुख विश्वविद्यालयों – लुंड (अब बंद हो गया है), गोथनबर्ग और उप्पसला – में भारतीय अध्ययन पर पीठों की स्थापना ने भारत में शैक्षिक रूचि को गति प्रदान की है। स्वीडन के अनेक विश्वविद्यालयों ने भारतीय शैक्षिक संस्थाओं के साथ संबंध स्थापित किया है तथा विभिन्न कार्यक्रमों के छात्रों को नियमित रूप से भारत भेजते हैं। यद्यपि, स्वीडन के विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्र पढ़ाई करते हैं, तथापि, वर्ष 2011 में गैर-यूरोपियन यूनियन के विदेशी छात्रों के लिए शुल्क लगा दिए जाने के बाद से इस संख्या में गिरावट आई है।

भारतीय समुदाय

अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, स्वीडन में 5,003 भारतीय मूल के व्यक्तियों / ओसीआई कार्ड धारकों सहित लगभग 9000 भारतीय मूल के व्यक्ति और 10,406 भारतीय पासपोर्ट धारक रहते हैं। वे या तो अकादमिक/प्रोफेसनल क्षेत्रों में या व्यावसायिक/व्यापारिक क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

उपयोगी संसाधन :
भारतीय दूतावास, स्टोकहोम की वेबसाइट :
www.indianembassy.se
भारतीय दूतावास, स्टोकहोम फेसबुक :
https://www.facebook.com/EmbassyofIndiaSweden
भारतीय दूतावास, स्टोकहोम ट्विटर :
https://twitter.com/eoistockholm
भारतीय दूतावास, स्टोकहोम यूट्यूब :
https://www.youtube.com/user/eoistockholmsweden

***

जनवरी, 2016